http://www.mgkvponline.com

(Printed Pages 4)

Roll No. ..........

18/102

# बी.ए. (प्रथम वर्ष) परीक्षा, 2018

## हिन्दी

## द्वितीय प्रश्न-पत्र

## (आधुनिक गद्य साहित्य)

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 100**

**नोट :** सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। दाहिनी ओर किनारे में दिये हुए अंक पूर्णांक सूचित करते हैं।लघु-उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 200 शब्द तथा दीर्घ-उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द है।

### खण्ड - क

### (व्याख्यात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्य-खण्डों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए: $3 \times 10 = 30$

(क) सबके जीवन में एक बार प्रेम की दीपावली जलती है। जली होगी अवश्य। तुम्हारे भी जीवन में वह आलोक का महोत्सव आया होगा, जिसमें हृदय-हृदय को पहचानने का प्रयत्न करता है, उदार बनता है और सर्वस्व दान करने का उत्साह रखता है।

P.T.O.

http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com



अथवा

निर्लज्ज! मद्यप!! क्लीव !!! ओह, तो मेरा कोई रक्षक नहीं? (ठहरकर) नहीं, मैं अपनी रक्षा स्वयं करूँगी! मैं उपहार में देने की वस्तु, शीतल मणि नहीं हूँ। मुझमें रक्त की लालिमा है। मेरा हृदय उष्ण है और उसमें आत्मसम्मान की ज्योति है।

(ख) कौन जानता था कि उसके अन्तस्थल में कितनी भीषण क्रांति चल रही है? संदेह के निर्दय आघात ने उसकी लज्जा और आत्मसम्मान को कुचल डाला है। उसे अपमान और तिरस्कार का लेशमात्र भी भय नहीं है। यह विनोद नहीं-उसकी आत्मा का करूण विलाप है।

अथवा

मन! तेरी गति कितनी विचित्र कितनी रहस्य से भरी हुई, कितनी दुर्भेद्य। तू कितनी जल्द रंग बदलता है? इस कला में तू निपुण है। आतिशबाज की चर्खी को भी रंग बदलते कुछ देर लगती है, पर तुझे रंग बदलने में उसका लक्षांश समय भी नहीं लगता। जहाँ अभी वात्सल्य था, वहाँ फिर संदेह ने आसन जमा लिया।

(ग) असल भारत है 'किसान भारत', असली संस्कृति है 'किसान संस्कृति'। किसान दाता है बाकी सब या तो उसके 'पवनी' हैं, नहीं तो चोर हैं। किसान से बड़ा कौन है? वही तो धरती का शेषनाग है।



http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com



**अथवा**

श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है। जब पूज्यभाव की वृद्धि के साथ श्रद्धा-भाजन के सामीप्य लाभ की प्रवृत्ति हो, उसकी सत्ता के कई रूपो के साक्षात्कार की वासना हो, तब हृदय मे भक्ति का प्रादुर्भाव समझना चाहिए। जब श्रद्धेय के दर्शन, श्रवण, कीर्तन, ध्यान आदि मे आनन्द का अनुभव होने लगे-जब उससे सम्बन्ध रखने वाले श्रद्धा के विषयो के अतिरिक्त बातो की ओर भी मन आकर्षित होने लगे, तब भक्ति-रस का सचार समझना चाहिए।

## खण्ड - ख

## (निबन्धात्मक प्रश्न)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर विस्तार से दीजिए: $2 \times 20 = 40$

(क) नाट्य तत्त्व की दृष्टि से 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की समीक्षा कीजिए।

**अथवा**

'ध्रुवस्वामिनी' नाटक मे अभिव्यक्त समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) ललित निबंध की विशेषताएँ बताते हुए विद्यानिवास मिश्र की निबंध-शैली की समीक्षा कीजिए।

**अथवा**

प्रतापनारायण मिश्र, पूर्ण सिंह, कुबेरनाथ राय मे से किसी एक की निबंध शैली पर प्रकाश डालिए।



http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com

## खण्ड - ग

## (लघु उत्तरीय प्रश्न)

3. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर टिप्पणी कीजिए : $5 \times 6 = 30$

(क) 'सच्ची वीरता' निबन्ध की विशेषताएँ।

(ख) हरिशंकर परसाई की निबंध-शैली।

(ग) प्रेमचंद की कथा-भाषा।

(घ) 'कोमा' का चरित्र-चित्रण।

(ङ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की निबंध-शैली।

(च) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का प्रतिपाद्य।

(छ) 'अलग-अलग वैतरणी' उपन्यास में आंचलिकता।

(ज) संस्मरण का स्वरूप ।

(झ) 'क्या बसंत आ गया' निबन्ध की भाषा-शैली।

(ञ) उपन्यास के तत्व।



http://www.mgkvponline.com

Whatsapp @ 9300930012
Your old paper & get 10/-
पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से